



हरि ॐ

1. तुम्हारी जिंदगी में बहुत समस्याएँ हैं। तुम बिंता छोड़ दो. क्या तुम भूल गए हो, मैं तुम्हारे कितने पास हूँ। तुम क्यों बिंताओं से घिरे हो। मैं तुम्हारा सारा बोझ लेने को तैयार हूँ। बिंता ताकी कीजिए... ॥ सी साहिब... ॥
2. तुम अपनी बिंता मेरी list में डाल दो। तुम्हारी समस्याओं को मैं सुलझाऊँगा। इच्छाओं को पूरा करूँगा, जब तू मेरे पास आया। चाहे मैं मेरे की list लम्बी हो जाए, पर मैं भगवान हूँ। सुई की नोक से हाथी को निकाल सकता हूँ, तो क्या तुम्हारी समस्याएँ दूर नहीं करूँगा।
3. अपनी बिंता गुरु को दे दो तो वापस मत लो। अपने न देखो कल के, अभी की मौज लो। बाणी खाली सुननी नहीं, जाननी है। सुनह - कहत - रहत मत पाव।
4. तुम शक्तिशाली क्यों महसूस कर रहे हैं? क्योंकि तुमने सारे बोझ मुझे दे दिए हैं। मैं सारे बोझ वापिस कर दूँ तो तुम वहीं के वहीं खड़े हो जहाँ से तुम चले थे। ये सारी शक्ति मैंने तुम्हारे अंदर डाली है। मुझे से बात करो, जो बात परेशान कर रही है। एक बात का वायदा चाहता हूँ।
- कभी मुझे से बात करना नहीं छोड़ना। अपने वालों की बात मुझे से अंदर ही अंदर करो।
5. पति-बेटा-बहू कोई टेढ़ा नहीं चल रहा। वह तो सब रूपों में मेरी घड़ाई कर रहा है। सही मायने में पूजा-प्राथना करना माना - मुझे से अंदर ही अंदर बात करना।
6. गर्भवती के पैर भारी होते हैं, सब काम छुट जाते हैं। जब तू ज्ञान से भारी होगा, सब आए छुटेंगा।
7. जब तुम 2 साल के थे, तुमसे कहा जाता था बाँटो - बाँटो। अपनी खुशियाँ उनको बाँटो जो बेवस, लाचार, निराश है। बाँटने से बढ़ती है।
8. खबर रखो - मैंने तुम्हारी जिंदगी अलग-अलग तरह की बनाई है। तुम अधीरज क्यों होते हो। थोड़ा धीरज करो - मेरे timing पर विश्वास रखो। मैं पूरा perfect हूँ। कच्चा फल नहीं दे सकता। पूरा फल फल करके दूँगा। क्या मैं तुम्हारी समस्याएँ दूर नहीं कर सकता?
9. रहम दिल बनी। जो मेरे पास आता है उससे भी मेरा प्यार है, जो नहीं आता उससे भी...।
10. अपने आप से प्यार करो। मुझे से प्यार करो। मैं प्यार का सागर हूँ। मेरा दिल दुखता है जब मैं देखता हूँ कि तुम अपने आप से गुस्सा खाते हो। तुमको दीन-हीन बनकर नहीं रहना। तुम 'गुजवान' हो। तुम मेरे लिए बहुत कीमती हो, यह कभी मत भूलना।

दादा भगवान के 10 नियम

जीवन में खुशहाल रहने के ...

